मन रे काई करबा ने आयो देसी भजन लिरिक्स

मन रे काई करबा ने आयो,
वृथा जन्म लियो धरती पर,
जन्म लेर पछतायो।bd।

मिनख जमारो दियो रामजी,
प्रारब्ध से पायो,
थारी-म्हारी करता करता,
कदै न हरि गुण गायो,
मन रे कांई करबा ने आयो।bd।

मृग-तृष्णा में फंसग्यो भान्दू,
दौड़-दौड़ कर धायो,
कदै न प्यास मिटी न थारी,
सूखो सरवर पायो,
मन रे कांई करबा ने आयो।bd।

जप-तप दान कदै न कीनो,
ना कोई संत जिमायो,
सत की संगत में कदै न बेठ्यो,
ना कोई गंगा न्हायो,
मन रे कांई करबा ने आयो।bd।

लख-चौरासी से बचणो व्हे तो,
अब थारो अवसर आयो,
जेठू पुरी कहे समझ मन मेरा,
सतगुरू जी समझायो,
मन रे कांई करबा ने आयो।bd।

मन रे काई करबा ने आयो,
वृथा जन्म लियो धरती पर,
जन्म लेर पछतायो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com